संक्षिप्त समाचार

पिता फरमा रहे थे महिला संग इश्क, बेटे ने बुलवा ली पुलिस

गोरखपुर, एजेंसी। गोरखपुर के गोला थाना क्षेत्र के एक चौराहे पर पिता को उसके बेटे ने महिला संग इश्क फरमाते हुए पकड़ लिया। गुस्से में आए बेटे ने पुलिस बुला ली। पुलिस आरोपी पिता और उसके साथ मौजूद महिला को पकड़कर थाने ले गई। हालांकि, बाद में इस मामले में समझौता हो गया। लेकिन देर रात तक चौराहे पर इसकी चर्चा बनी रही।

जानकारी के मुताबिक, घटना मंगलवार की है। गोला इलाके के एक चौराहे पर एक व्यक्ति झोलाछाप डॉक्टर है। उसकी जान पहचान ब्यूटी पार्लर चलाने वाली एक महिला से है। मंगलवार को वह अपनी क्लीनिक पर ही महिला के साथ मौजूद था। तभी उसका बेटा कहीं से घूमते हुए आ गया। उसने पिता की हरकत देख ली।

पहले तो उसे भरोसा नहीं हुआ। इसकी जानकारी पाकर उसकी मां आ गई। हंगामा शुरू हो गया। लोगों की भीड़ जमा होने पर पुलिस पहुंची। आरोपी पिता को पकड़कर बेटे ने पुलिस को सौंप दिया। बाद में समझौता करके सभी घर चले गए। बुधवार को भी इस घटना को लेकर कौतूहल बना रहा।

1 अप्रैल से बढ़ जाएगा टोल टैक्स

गोरखपुर, एजेंसी। नए वित्तीय वर्ष में नेशनल हाई-वे पर चलने वाले वाहनों को अधिक टोल टैक्स चुकाना होगा। नेशनल हाई-वे अथारिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने टोल टैक्स बढ़ाने के लिए क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी में प्रस्ताव भेज दिया है। प्रस्ताव की स्वीकृति के बाद एक अप्रैल से टोल टैक्स बढ़ाने की योजना है। जिले में तेनुआ और कालेसर टोल प्लाजा पर टैक्स अधिक लगेगा तो वाहन स्वामियों की जेब ढीली होगी। कार, बस/ ट्रक एवं सात चक्का वाहनों का टोल टैक्स बढ़ाया जा रहा है। अलग-अलग वाहनों पर 5 से 20 रुपये तक टोल टौक्स बढ़ाने का प्रस्ताव है, लेकिन बार बार वाहनों को टैक्स देने पर वाहन स्वामियों को अखर जाएगा। एनएचएआई के नियम के अनुसार फास्टैग न होने पर दो गुना टोल टैक्स देना पड़ रहा है। पे-टीएम पर रोक लगाए जाने के बाद अन्य कंपनियों के माध्यम से फास्टैग की सुविधा दी जा रही है। फास्टैग नहीं होने पर बढ़े हुए टोल टैक्स का दोगुना भुगतान करना होगा। गोरखपुर-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर भिटहा में टोल प्लाजा बनाया गया है। अप्रैल में ही वहां टोल टैक्स की वसूली शुरू हो सकती है, उसके बाद लखनऊ रूट की तरह वाराणसी - प्रयागराज जाने-आने वाले वाहनों से टोल टैक्स वसूला जाएगा। मैनेजर एनएचएआई आशीष सिंह सेंगर ने बताया कि नए वित्तीय वर्ष में टोल प्लाजा पर टैक्स बढ़ाने की योजना है। टोल टैक्स बढ़ाने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। स्वीकृति के आधार पर टैक्स निर्धारित किया जाएगा। गोरखपुर वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग के टोल प्लाजा को एक माह में शुरू किया जा सकता है।

पांच दिन में चौथा कत्ल, मामूली विवाद में लाठी से पीटकर अधेड़ को मार डाला

सोनभद्र , एजेंसी। सोनभद्र के म्योरपुर थाना क्षेत्र के चांगा गांव में शुक्रवार की सुबह अधेड़ की लाठी से पीटकर हत्या कर दी गई। घटना के पीछे मामूली विवाद को कारण बताया जा रहा है। आरोपी मूक दिव्यांग है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पिछले पांच दिनों में जिले में हत्या की चौथी घटना है। चांगा गांव के भदहर टोला निवासी रामप्रकाश ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि शुक्रवार की भोर में उसके पिता दिलीप (58) घर से थोड़ी दूर एक व्यक्ति के घर की ओर गए थे। वहां अपने घर के बाहर सो रहे मानशाय से किसी बात पर कहासुनी हुई। मानशाय ने आवेश में आकर लाठी से पिता के सिर पर जोरदार प्रहार कर दिया, जिससे वह अचेत होकर गिर पड़े। सूचना पाकर वह मौके पर पहुंचा तो पिता की मौत हो चुकी थी। ग्राम प्रधान ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। म्योरपुर एसओ, दुद्धी सीओ प्रदीप सिंह चंदेल ने घटनास्थल पहुंचकर छानबीन की। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। सीओ ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया जा रहा है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। बता दें कि 25 मार्च से अब तक हत्या की यह चौथी वारदात है।

65 मुकदमों में 15 सिर्फ हत्या के, 25 केस गाजीपुर में

वाराणसी में घर के बाहर की थी अवधेश राय की हत्या

वाराणसी , एजेंसी। माफिया मुख्तार अंसारी के खिलाफ उत्तर प्रदेश, पंजाब और दिल्ली के अलग-अलग जिलों में 65 मुकदमे दर्ज थे। इनमें से सर्वाधिक 25 मुकदमे गाजीपुर जिले में दर्ज थे। 65 मुकदमों में 15 मुकदमे हत्या के आरोप से संबंधित थे। मुख्तार को आठ मामलों में अदालत से सजा सुनाई जा चुकी थी। वहीं, 21 मुकदमों का अलग-अलग अदालतों में ट्रायल चल रहा था। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के बड़े भाई अवधेश राय तीन अगस्त 1991 को लहुराबीर स्थित अपने घर के बाहर खड़े थे। उसी दौरान बगैर नंबर की मारुती वैन से आए बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर अवधेश राय की हत्या कर दी थी। घटनास्थल से चेतगंज थाना लगभग 100 मीटर की दूरी पर था। अजय राय ने बदमाशों का पीछा भी किया था, लेकिन उन्हें पकड़ पाने में वह असफल रहे थे। यह ऐसा पहला मामला था जिसमें मुख्तार अंसारी को 5 जून 2023 को वाराणसी की अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

नंद किशोर रुंगटा का क्या हुआ, किसी को नहीं पता

विहिप के तत्कालीन कोषाध्यक्ष और कोयला कारोबारी नंद किशोर रुंगटा का अपहरण बनारस स्थित उनके ऑफिस से 22 जनवरी 1997 को किया गया था। मुख्तार अंसारी गिरोह को सवा करोड़ रुपये की फिरौती दी गई थी। इसके बाद भी आज तक नंद किशोर रुंगटा का पता नहीं लग पाया। उनके परिजन घटना के 27 वर्ष बाद भी कुछ नहीं बोलते हैं।

पुलिस और सीबीआई से पैरवी न करने के लिए मुख्तार अंसारी ने उनके भाई महावीर प्रसाद रुंगटा को धमकी दी थी। इस मामले में मुख्तार अंसारी को वाराणसी की अदालत ने 15 दिसंबर 2023 को पांच साल छह माह की सजा और 10 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया था।

500 राउंड गोली चलाकर की गई थी सात लोगों की हत्या

वर्ष 2002 के विधानसभा चुनाव में भाजपा नेता कृष्णानंद राय ने मोहम्मदाबाद से अफजाल अंसारी को शिकस्त दी थी। 2004 में अफजाल अंसारी गाजीपुर से लोकसभा चुनाव जीता था। इसके बाद 29 जनवरी 2005 को विधायक कृष्णानंद राय समेत सात लोगों पर एके-47 से 500 राउंड गोली चलाकर बसनिया चट्टी के समीप नृशंस तरीके से हत्या कर दी गई थी। हत्याकांड में मारे गए सात लोगों के शव से 67 गोलियां बरामद की गई थी।

गंगा मेला पर बदली रहेगी यातायात व्यवस्था, पार्किंग के लिए भी चिह्नित किए हैं स्थान, जरा देखकर निकलें

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में सरसैया घाट पर 30 मार्च को लगने वाले गंगा मेला के दौरान यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने डायवर्जन प्लान तैयार किया है। इसके तहत सरसैया घाट की ओर वाहन को जाने नहीं दिया जाएगा। कोई भी वाहन फूलबाग, चार्ली चौराहा होते हुए मेघदूत चौराहा से सरसैया घाट होते हुए ग्रीनपार्क को नहीं जा सकेगा। ऐसे वाहन मेघदूत चौराहा से बड़ा चौराहा होकर कारसेट से दाहिने एमजी कॉलेज से होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेंगे। इसके अलावा ग्रीनपार्क चौराहा से वाहन एमजी कॉलेज से बाएं मधुवन तिराहा, पुलिस ऑफिस, कचहरी होते हुए चेतना चौराहा से व्यायामशाला की ओर जाएंगे। कोई भी वाहन गुप्तार घाट (ब्राउन बेकरी) से सरसैया घाट की तरफ नहीं जा सकेगा। ऐसे वाहन गुप्तार घाट से मेघदूत चौराहा होकर बड़ा चौराहा होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे।

बनारस में पहली बार शुरू होगा तलवारबाजी का प्रशिक्षण, जिला और प्रदेश स्तर पर कराई जाएगी प्रतियोगिता

वाराणसी , एजेंसी। जिले में पहली बार खिलाड़ियों को तलवारबाजी का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद पहले जिला स्तर पर फिर प्रदेश स्तर पर प्रतियोगिता कराई जाएगी। इसके लिए जिला ओलंपिक संघ ने भारतीय तलवारबाजी संघ को पत्र लिखा है। साथ इसके लिए जरूरी उपकरण और कोच की मांग की है।

जिला ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष डॉ. एके सिंह ने बताया कि काशी में तलवारबाजी प्रतियोगिता की कवायद शुरू की गई है। इसके लिए भारतीय तलवारबाजी संघ के महासचिव राजीव मेहता को पत्र भेजा गया है। व्यक्तिगत खेल तलवारबाजी दो खिलाड़ियों के बीच खेला जाता है। इसमें दोनों खिलाड़ी एक दूसरे पर सामने से हमला करते हैं। तलवार के शरीर को छूते ही हरी या लाल लाइट जल जाती है। खिलाड़ी के प्रहार को विद्युत रिकॉर्डिंग उपकरण से गिना जाता है। निर्धारित समय में अधिक प्रहार करने वाले को विजेता घोषित किया जाता है। खेल में उपयोग होने वाले तलवार का वजन 500 ग्राम होता है। प्लेइंग एरिया 14 मीटर लंबा और 1.5 मीटर चौड़ा होता है। तलवारबाजी ओलंपिक में शामिल है। वर्ष 1896 से ओलंपिक में यह खेल शामिल है। टोक्यो ओलंपिक 2023 में भारतीय महिला खिलाड़ी कुछ अंकों से पदक जीतने से चूक गई थी।

आरएन सिंह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स दिया जाएगा प्रशिक्षण

तलवारबाजी का प्रशिक्षण परमानंदपुर गांव स्थित आरएन सिंह स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में दिया जाएगा। भारतीय तलवारबाजी संघ के सहयोग से जरूरी उपकरण खरीदे जाएंगे। यूपी खेल निदेशालय से कोच उपलब्ध कराने की मांग की गई है। इससे यहां के खिलाड़ियों को जिले में प्रशिक्षण का मौका मिल सकेगा।

कांग्रेस के मौन के बीच स्मृति इरानी के लिए चुनौतियां भी कम नहीं

अमेठी , एजेंसी। अवध के साथ ही पूरे देश की चर्चित संसदीय सीटों में शुमार अमेठी एक बार फिर सुर्खियों में है। वजह, 2019 से पूर्व तक गांधी परिवार की गढ़ मानी जाने वाली सीट पर करीब 55 हजार वोटों के अंतर से जीत दर्ज करने वाली स्मृति जूबिन इरानी एक बार फिर मैदान में हैं। उनका मुकाबला किससे होगा, यह अभी तय नहीं है। गठबंधन की तरफ से हर दिन एक नया नाम सामने आ रहा है। कोई गांधी परिवार की दावेदारी ठोंक रहा है तो कोई नया समीकरण प्रस्तुत कर रहा है। स्मृति इरानी के समक्ष गैर कांग्रेसी सांसद के रूप में दोबारा जीत का रिकॉर्ड बनाने की चुनौती भी कम नहीं है। राह न पहले जैसी आसान है और न ही समीकरण ही सहज और सधे हुए। पूरी तस्वीर कांग्रेस के पत्ते खोलने के बाद ही स्पष्ट होगी, लेकिन अनुसूचित जाति, मुस्लिम व पिछड़ा वर्ग का सूत्र बड़े सवाल हल कर सकता है। वर्ष 1967 में अस्तित्व में आई अमेठी संसदीय सीट में कुल पांच विधानसभाएं हैं। इनमें अमेठी, जगदीशपुर, गौरीगंज व तिलोई अमेठी जिले की हैं, जबकि सलोन विधानसभा रायबरेली जिले की है। बीते तीन चुनावों की बात करें तो अमेठी की जनता का मूड बदला-बदला नजर आया। वर्ष 2009 में कांग्रेस के टिकट पर चुनावी समर में उतरे राहुल गांधी ने 57.24 फीसदी मतों के अंतर से जीत दर्ज की, लेकिन, 2014 के चुनाव में परिणाम कुछ अलग दिखा। इस बार भाजपा के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरीं स्मृति जूबिन इरानी मजबूती से लड़ीं। यह बात अलग है कि राहुल गांधी ने जीत दर्ज की, लेकिन मतों का प्रतिशत 25.07 फीसदी घटने के साथ ही जीत के अंतर में 32.83 फीसदी कमी आई। हार के बाद भी स्मृति ने अमेठी को नहीं छोड़ा। यहां से निरंतर जुड़ी रहीं। इसका सुखद परिणाम भी उन्हें मिला।

वर्ष 2019 के चुनाव में स्मृति ने गांधी परिवार के गढ़ को ध्वस्त कर जीत दर्ज कर ली। संसदीय सीट की पांच विधानसभाओं में से चार पर भाजपा ने जीत हासिल की थी। हालांकि तब मोदी का जादू चला। खुद प्रधानमंत्री ने जनसभा भी की। एक बार फिर भाजपा ने स्मृति पर ही भरोसा जताया है लेकिन सामने कौन होगा, यह तय नहीं है। इन सबके बीच अभी तक अमेठी से सिर्फ तीन गैर कांग्रेसी सांसद हुए। ऐसे में गैर कांग्रेसी सांसद के दोबारा जीतने, जीत का अंतर बढ़ाने, सभी पांचों विधानसभा सीटों से जीत हासिल करने की एक बड़ी चुनौती स्मृति के सामने है। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री जैसे बड़े दायित्व को संभालने के कारण पड़ोस की सीटों पर भी भाजपा को मजबूत करने की भी बड़ी जिम्मेदारी है।

पहली बार मीडिया के सामने आए मुख्तार के बड़े भाई सिबकतुल्लाह अंसारी

गाजीपुर , एजेंसी। मुख्तार अंसारी की मौत को लेकर गाजीपुर जिले में हर तरफ सन्नाटा पसरा है। आवास के बाहर काफी संख्या में लोगों की भीड़ पहुंच रही है। वहीं मुख्तार अंसारी के बड़े भाई सिबकतुल्लाह अंसारी पहली बार माडिया के समक्ष आए हैं। उन्होंने कहा है कि अभी कोई सूचना नहीं है कि मुख्तार के शव का पोस्टमार्टम कब होगा, कब शव मिलेगा। उन्होंने कहा जो पहले से शक था वही हुआ। बताया कि अफजाल अंसारी भी अस्वस्थ हैं। मुख्तार अंसारी की गुरुवार रात दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। वह बीते कुछ दिन से बीमार था और इसका इलाज बांदा मेडिकल कॉलेज से चल रहा था।

25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार पुलिस ने उसके घर से दबोचा

लूट-हत्या, रंगदारी जैसे अपराध को दिया था अंजाम

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर पुलिस के टॉप-10 सूची में शामिल 25 हजार का कुख्यात इनामी अपराधी शनिचर मंडल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सिटी एसपी के निगरानी में गठित टीम ने मिराचक स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी पर कई संगीन मामले दर्ज है।

औद्योगिक प्रक्षेत्र थाना में हत्या के मामले में वह फरार चल रहा था। इसके बाद पुलिस मुख्यालय की तरफ से 25 हजार का कुख्यात इनामी अपराधी घोषित किया था। गठित टीम ने छापेमारी कर उसके घर से गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। एसएसपी आनंद कुमार ने बताया कि पुलिस के टॉप-10 सूची में शामिल 25 हजार का इनामी एवं हत्याकांड का कुख्यात वांछित अपराधी शनिचर मंडल को गिरफ्तार कर लिया गया है। गठित टीम द्वारा छापेमारी की गई। इसके बाद कुख्यात अपराधी शनिचर मंडल के मीराचक घर स्थित से उसे गिरफ्तार कर लिया है। एसएसपी ने आगे बताया कि गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ डकैती, महिला उत्पीड़न, मध्य निषेध और उत्पाद अधिनियम के तहत औद्योगिक प्रक्षेत्र थाना में तीन मामला दर्ज है।

इधर, छापेमारी दल में शामिल डीआईयू टीम के पुलिस निरीक्षक रंजीत कुमार, धनंजय कुमार, सुशील राज, एजाज रिजवी एवं औद्योगिक प्रक्षेत्र थाना अध्यक्ष मुरलीधर शाह, पुलिस उप निरीक्षक कन्हैया कुमार, व सीआईटी और सशस्त्र बल शामिल थे।

पीरपैंती-बिहार-झारखंड के पुलिस पदाधिकारियों ने की बैठक

भागलपुर/पीरपैंती, एजेंसी। लोकसभा चुनाव में आपसी समन्वय बनाए रखने के लिए बिहार और झारखंड की सीमा पर स्थित मेहरमा थाना में दोनों राज्यों के पुलिस पदाधिकारियों ने बैठक की। एसडीपीओ कहलगांव 2 अर्जुन कुमार गुप्ता, पीरपैंती इंस्पेक्टर अरुण कुमार व ईशीपुर बाराहाट थानाध्यक्ष रविशंकर तथा झारखंड के महागामा के एसडीपीओ प्रतिनिधि और मेहरमा तथा अन्य थाने की पुलिस भी मौजूद थी। बैठक में लोकसभा चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया। अंतरराज्यीय चेक पोस्ट व अन्य आवागमन के रास्तों पर दोनों राज्यों की पुलिस आसूचना का आदान प्रदान करेंगे। जबकि दोनों क्षेत्र में वाहन चेकिंग, शराब चेकिंग के साथ चेकपोस्ट पर पैनी नजर आदि भी रखेंगे।

लंबे अंतराल के बाद सीएम नीतीश कुमार से मिले चिराग पासवान

मुख्यमंत्री ने कंधे पर हाथ रखकर दी शुभकामनाएं

पटना, एजेंसी। लोकसभा चुनाव को लेकर रणभेरी बज चुकी है। नामांकन का दौर भी शुरू हो गया है। इस बीच बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से एनडीए के बड़े नेताओं के मिलने का दौर भी जारी है। गिरिराज सिंह, उपेन्द्र कुशवाहा और रामकृपाल यादव के बाद गुरुवार को लोजपा (रामविलास) के सुप्रीमो चिराग पासवान ने भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की है। दोनों नेताओं की ये मुलाकात मुख्यमंत्री आवास पर हुई है। इस मुलाकात के दौरान सीएम नीतीश कुमार ने चिराग पासवान के कंधे पर हाथ रखकर उन्हें सियासी जंग के लिए शुभकामनाएं दी है। वहीं, चिराग पासवान ने भी मुख्यमंत्री का पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। इस मौके पर बिहार बीजेपी के बड़े नेता भी मौजूद रहे। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के साथ-साथ नीतीश मंत्रिमंडल में शामिल स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय भी मौजूद रहें। वहीं, जेडीयू के वरिष्ठ नेता और नीतीश कुमार के बेहद करीबी संजय झा भी इस मुलाकात के गवाह बने। गौरतलब है कि लंबे अंतराल के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और चिराग पासवान की मुलाकात हुई है। साल 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान दोनों की बीच की खटास अधिक बढ़ गयी थी। चिराग पासवान ने बिहार फर्स्ट-बिहारी फर्स्ट की बातें करते हुए नीतीश सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज़ बुलंद की थी और जेडीयू प्रत्याशियों के खिलाफ खुद की पार्टी के कैंडिडेट खड़े कर दिए थे, जिसका अधिक खामियाजा नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू को उठाना पड़ा था। साल 2020 बिहार विधानसभा चुनाव के बाद ही दोनों नेताओं के बीच खटास अधिक बढ़ गयी थी लेकिन अब लोकसभा चुनाव 2024 में दोनों फिर एकसाथ एक ही गठबंधन में हैं लिहाजा लंबे अंतराल के बाद दोनों की मुलाकात काफी सुखद रही।

समस्तीपुर मंडल में ट्रेन से कटकर मगरमच्छ की मौत

समस्तीपुर , एजेंसी। समस्तीपुर रेल मंडल के बगहा में बरवल पिपरा गांव के हरहा नदी पर बने पुल संख्या 347 के पास ट्रेन से कटकर एक मगरमच्छ की मौत हो गयी है. इस घटना पर पर्यावरण प्रेमियों ने चिंता जताई है. जानकारी के मुताबिक मगरमच्छ संभवतः हरहा नदी से निकलकर रेलवे ट्रैक पार कर रहा था तभी वहां से गुजर रही ट्रेन की चपेट में आ गया. ट्रेन से कटने के बाद उसकी मौत हो गयी.

हरहा नहर से निकलकर रेल लाइन पार करते समय हादसा

पर्यावरण प्रेमी गजेंद्र यादव ने दी घटना की जानकारी

बताया जाता है कि सुबह-सुबह पर्यावरण प्रेमी गजेंद्र यादव खेत की तरफ गए थे, तभी उनकी नजर ट्रैक के पास मृत पड़े मगरमच्छ पर गयी जिसकी जानकारी उन्होंने वन विभाग को दी. घटना की खबर मिलने के बाद मौके पर पहुंचे वनकर्मियों ने मगरमच्छ को अपने कब्जे में ले लिया.

गंडक नदी में सैकड़ों की संख्या में पाए जाते हैं मगरमच्छ

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व अंतर्गत गंडक नदी में सैकड़ों की संख्या में मगरमच्छ पाए जाते हैं. कई बार ये मगरमच्छ रिहायशी इलाकों समेत आसपास के पोखर, तालाब और नहर का रुख करते हैं. इस दौरान इनकी जान पर भी बन आती है.पिछले वर्ष भी औसानी हाल्ट के पास दो मगरमच्छ ट्रेन से कट गए थे और उनकी मौत हो गई थी.

चंबल के बाद गंडक नदी है मगरमच्छों का अधिवास क्षेत्र

देश में चंबल नदी के बाद गंडक नदी ही एक ऐसा अधिवास क्षेत्र है जहां मगरमच्छ और घड़ियाल बहुतायत संख्या में पाए जाते हैं. उनको यह अधिवास क्षेत्र काफी पसंद आता है.इसी गंडक नदी की उप वैतरणी तिरहुत, त्रिवेणी, दोन और हरहा नहरों में मगरमच्छ डेरा जमाये रहते हैं और अक्सर पानी से बाहर निकलकर रिहायशी इलाकों के अलावा सड़क और रेलवे ट्रैक पर आ जाते हैं, जिससे हादसों के शिकार हो जाते हैं.

संरक्षित प्राणी है मगरमच्छ

बता दें कि कुछ सालों पहले तक मगरमच्छ की कई प्रजातियां विलुप्ति की कगार पर थीं. जिसके बाद 1975 में देश के कई राज्यों में मगरमच्छ संरक्षण परियोजनाओं की स्थापना की गयी. घड़ियाल और खारे पानी के मगरमच्छ संरक्षण कार्यक्रम को 1975 की शुरुआत में ओडिशा में शुरू किया गया था, उसके बाद व्यापक तौर पर इसे शुरू किया गया. परिणामस्वरूप खारे पानी के मगरमच्छों की संख्या 1976 के 96 से बढ़कर 2012 में 1,640 हो गई.

एक ही जमीन के मुआवजे के कई दावेदार, नोटिस

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। साहेबगंज-मानिकपुर फोरलेन निर्माण के लिए ली गई एक ही जमीन के मुआवजे के कई हकदार खड़े हो गये हैं। इससे अलग-अलग मौजा में अर्जित की गई जमीन पर मुआवजा भुगतान में पेच फंस गया है। कई लोग इसे अपनी-अपनी जमीन बताकर मुआवजा भुगतान करने का अनुरोध कर रहे हैं। इससे भू-अर्जन विभाग की परेशानी बढ़ गई है। एक ही खाता और खेसरा संख्या के लिए कई लोग दावेदारी ठोक रहे हैं। इस कारण मामला सक्षम न्यायालय में भेज दिया गया था। अब सक्षम प्राधिकार सह जिला भू-अर्जन पदाधिकारी ने करीब आधा दर्जन लोगों को नोटिस भेजा है। इन सभी को अलग-अलग तिथियों में जमीन से संबंधित सभी आवश्यक कागजात लेकर उपस्थित होकर अपना-अपना पक्ष रखने को कहा है। इसके बाद इन कागजात का सत्यापन किया जाएगा। इसके अनुसार जो असल रैयत होंगे, उन्हें मुआवजा भुगतान किया जाएगा।

नौ अप्रैल को दस्तावेज लेकर बुलाया : साहेबगंज अंचल स्थित वासुदेवपुर सराय में तीन अलग-अलग खेसरा से उक्त परियोजना को लेकर जमीन अर्जित की गई। जब मुआवजा भुगतान को लेकर शिविर लगाया गया तो कई लोग इस पर दावेदारी करने पहुंच गए और कागजात भी दिखाने लगे।